मार्गदर्शि शेषय्यङ्गार्
कीर्तनानि

Compiled and typeset
using LaTeX 2ε , pdfLaTeX, and dvng Type I fonts

©February 2004

1 āñjaneya paripālaya mām

आञ्जनेय परिपालय माम्

रागं : मोहनम्

पल्लवि

आञ्जनेय परिपालय मां

अगश्वरवीरधुरीण

सञ्जनितसुरभयतोषित
सन्मुनिजनगीर्वाण

चरणानि

चमत्कारधरणीधर भा-

समानशुभकरगात्र

तामरसहितादित्यकला-

स्तोमसमीरणपुत्र ॥ १ ॥

श्रीरघुकुलतिलकचरण
सरसिजमदयुतलोलम्ब
चारणसुरनरकिन्नरके-
सरिनुतगुणानिकुरुम्ब ॥ २ ॥

लूनाशोकवनालोक(ह)-
लुण्ठितराक्षसवीर
जानकीमनोदुःखविनाशक
दळिताक्षकुमार ॥ ३ ॥

दमितपञ्चसेनाग्रह शर-
दहनप्रोषितलङ्क
लिमितसप्तमन्त्रीसुतान्तक
विविधसमरनिश्शङ्क ॥ ४ ॥

अनिशं श्रितरामायण का-

श्चनरम्भावनवास

जनकांक्षितफलदायक को-

सलपुरीनायकदास ॥ ५ ॥

✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠

2 kamalanayana yaduvara

कमलनयन यदुवर

रागं : पूर्विक्ल्याणि

पल्लवि

कमलनयन यदुवर मां पालय

कपटगोपडिम्भ

कमनीय गुणगम्भीर
वधूसंघटितपरिरम्भ

चरणानि

चरणनिहतशकटासुर निरुपम-

शौर्यसमारम्भ

करिकरनिभदोस्तम्भ

धृतकालीयसौरम्भ
पुरहरझम्भावृषसम्ब
विरोषमदण्डम्भ - हंकृति
विरहितमुनिवरसेव्य (मकरिका)
विरचितराधाकुचकुम्भ ॥ १ ॥

अतुलितलावण्यनिदान
मनोहरमाल्यसुगन्ध
अङ्गुतकरनिजसान्द्र
परीमूतजरासन्ध
बुधयुतसन्धायकमन्दा-
यितमन्दरगन्धानेक
पतिसन्मुदितामरगणविध्वंसित
शरणगतभवबन्ध ॥ २ ॥

दमितकलुषकोसलपुरवरनगदा

शरणयशोत्कण्ठ

कंसदमनवैकुण्ठ

दनुजाहिनीलकण्ठ

धरसमकण्ठाश्रितकण्ठ

अब्जजवन्दितकुण्ठापगत

दमनजसेवकनिर्मग्रहीत

घनयमुनासरिन्नुपकण्ठ ॥ ३ ॥

✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠

3 kalayē tāvakīnacara.na

कलये तावकीनचरण

रागं : सावेरि

पल्लवि

कलये तावकीनचरणकिसलये
पाहि श्रीरङ्गनिलये
लोचनपरिहसितकुवलये
त्वदेकशरणोहम्

चरणानि

सदये प्रचुरितसुरपतिविलसदये
परिपलितभुवनसमुदये
सद्वाहितमुनिजनहृदये

त्वदेकशरणोहम् ॥ १ ॥

वरदे निजगमनजितमदद्विरदे
वरचिकुरविलम्बितसरदे
कुन्दकमले करयुगलविरजितकमले
त्वदेकशरणोहम् ॥ २ ॥

सुरदन्तिसमर्पितकमले
निस्तुलदुपाधिपरिमळे
मुकुलसंकाशरदे
त्वदेकशरणोहम् ॥ ३ ॥

ललिते दिव्याभरणसमुज्वलिते
कोसलनगरवरकलिते
सुरवनिताजनसंवलिते
त्वदेक'सरणोहम् ॥ ४ ॥

4 kalayāmi daśarathakumāram

कलयामि दशरथकुमारम्

रागं :सुरट्टि तालं: जम्प

पल्लवि

कलयामि दशरथकुमारं सजल-
जलदरूपमतिशयशुभकरम्

चरणानि

रमणीयगुणालवालं सुम-
ध्यमभागलसमानतपनीयचेलम्
समरनिर्जितवैरिजालं सतत-
कमलासनाश्चर्यकरभव्यलीलम् ॥ १ ॥

जनकराजसुताकळत्रं श्वेत-

वनरुहपलाशसंवादिवरनेत्रम्
घनकलुषवल्लीलविचित्रं सकल-
मुनिजनामरनिकरविनुतचरित्रम् ॥ २ ॥

परमबोधानन्दरूपं दिव्य-
करयुगळविधृतभासुरबाणचापम्
वरकोसलपुरीमहीपं नित्य-
परिजनीकृतवीरवरकलापम् ॥ ३ ॥

✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠

5 kosalendra māmava

कोसलेन्द्र मामव

रागं : मध्यमावति

पल्लवि

कोसलेन्द्र मामवामित-
गुणनिवासभगवन्
भासमानमहामणिमण्ट-
परिविलसितसिंहासनविराजित
नी स रि स रि मा रि म पा नि प मा-
पा स स नि स नि म प नि प्पा म्म रि म रि स
नीरजासनमासमपावनमा
परिलसित कृपानिप्पाम्मधुरस

चरणानि

बाहुधृतशरचाप धृत
भक्तजनाखिलताप
अगवाहन विमलरूप
हार्मकुटकेयूरकलाप ॥ १ ॥

जानकीलसितङ्ग जल-
जास्यविलसितलङ्क
भानुवंशपयोधिशशाङ्क
पादविहितमुनितरुणीपङ्क ॥ २ ॥

नीलजलधरगात्र नुत-
नीलनलारुणपुत्र
फाललोचनमुखनुतिपात्र
पवनसुताकलित चारुनेत्र ॥ ३ ॥

✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠

6 gopāla pāhi divyarūpa

गोपाल पाहि दिव्यरूप

रागं : धन्याशि ताळं : आदि

पल्लवि

गोपाल पहि दिव्यरूप

यदुकुलदीप

गोपिकाविरहतापशमन सल्लाप
दीपितकलापलाप

चरणानि

गोरागजलदसमीर सर्वंसहभार-

हरणकृतावतार

सर्व भुवनाधार (जनाधार)घोषायोषाजार

नवनीतचोर

हारमकुटकेयूरकटकमञ्जीर-
शोभितसुकुमारशरीर ॥ १ ॥

बृन्दारकहितबृन्द विदारकबृन्दा-

वननिवासानद-

गोपसदानन्ददायक गोविन्द

नतमुचुकुन्द

नन्दकायुध पुरन्दरनन्दन-
वन्दितपदारविन्द मुकुन्द ॥ २ ॥

नानाचराचरविधान मोहकवेणुगान

परिपालितोग्रसेन

द्रुपदसुतामानरक्षक भक्तदीन

कोसलनगरीश

दानवान्तकविलून जरासुतसेन

कंसहर दीननिदान ॥ ३ ॥

✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠

7 jaya jaya śrīraṅgeśa

जय जय श्रीरङ्गेश

रागं : भैरवि

पल्लवि

जय जय श्रिरङ्गेश नाथ
जनरक्षणगणिताश
नलिनवैरिसहस्रसंकाश
रचितात्रयीशास्त्रनिदेश कञ्जनयन
खगादीशहयनगरीगिरिनि-
लय नलिनासनाश्रयनागशयन

चरणानि

रङ्गनायकीसहाय

आराधकत्रिदशनिकाय
सङ्गराङ्गणाहतदैतेय
नारदादिसज्जनगेय सारङ्ग
सारङ्गार्तिहर करसंघातसंग
रथाङ्ग चरणजातगङ्गानिशाङ्क ॥ १ ॥

लङ्कानिहितकटाक्ष
स्थितिलयसर्गकलनदक्ष
विसकालस्थितकालशिक्ष
सहयजान्तरस्थितकृतदीक्ष
अकलङ्कचरित्र दितिकिङ्करनिकर
रक्षससीताकलङ्कशशाङ्क ॥ २ ॥

सारदयानिधिकान्त
कोसलराजधानीनिशान्त
निर्झरारिसङ्घातकृतान्त

चरणाकान्तधरानन्त संसार
संसाराघनतराग्निधरधरणि
हारकिरणसरसीरुहाधार ॥ ३ ॥

✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠

8 jānakīmanoharāya

जानकीमनोहराय

रागं : धन्याशि

पल्लवि

जानकीमनोहराय जयमङ्गळम्

पवनसूनुनीतधराय शुभमङ्गळम्न- श्री
जानकीमनोहराय जयमङ्गळम्

चरणानि

मकरकुण्डलयुगळमण्दितगण्डस्थलाय

चकितमुनिशरण्याय जयमङ्गळम्

अकलङ्कशेषाङ्कसन्निभसूनाय जलदनील-
सुकुमारशरीराय शुभमङ्गळम् ॥ १ ॥

गर्वितरावणकुम्भकर्णविद्रावणाय
सर्वलोकशरण्याय जयमङ्गळम्
गीर्वाणवन्दिताङ्घ्रियुगाय सुज्ञानाय
सुरविद्यास्वरूपाय शुभमङ्गलम् ॥ २ ॥

जलदाऽमूल्यमणिसिंहासनस्थलाय
कोसलनगरनिलयाय जयमङ्गळम्
जलदळलोचनाय शबरीवरदाय भक्त-
सुलभाय श्रीरामाय शुभमङ्गळम् ॥ ३ ॥

✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠

9 devadevānupamaprabhāva

देवदेवानुपमप्रभाव

रागं : भैरवि

पल्लवि

देवदेवानुपमप्रभाव

भावातीतनुतिद

देवदेवकीपुण्यनिधे कृष्णमानवरूप
पावनगुणाम्बुधे

चरणानि

नीलनीलभक्तकल्प

सालासालकनिटिल श्री

लोलालोलवनमालिका रासक्रीड

ताळाताळवनविपालक ॥ १ ॥

सारासारसाक्षनिर्वि-
कराकारकंसहर
शुराशूरकुलाग्रगण्य यशोदाकु-
मारामारकोटिलावण्य ॥ २ ॥

भीमाभीमसमरवरकवि
रामारामानुज सत्य
भामाभामजगत्कारण यादवसर्व्
भौमाभौमघनसमीरण ॥ ३ ॥

धीराधीरायितकेशवि
दारादारायित वल्लवी-
पारावारसंरक्षणसंसारकू-
पारापार गमकवीक्षण ॥ ४ ॥

गोपागोपायितास्श्रितक-

लापालापा इष्टानन्द

गोपागोपाल आराधन कोसलपुर

भूपाभूपोद्भवसूदन ॥ ५ ॥

✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠

10 nāthavānasmi

नाथवानस्मि

रागं : तोडि

पल्लवि

नाथवानस्मि विप्रनारायणे रङ्ग-
नाथकैङ्कर्यरचनपरायणे

चरणानि

दिनदिनप्रवर्धित तुलसीवन-
घनसुमतरळ श्रीकामितानेन
वनमालिकाशाप्रभावेना-
तीत निगमेन शान्तिविधानेन ॥ १ ॥

शरणागतरक्षक रङ्गेश्वर-

विरचितविस्मयकरधातेन

हरिभक्तचोळनरवरवन्दितपद-
सरसीजनबुधसंस्तुतेन ॥ २ ॥

अतुलितश्रीमालिकातिद्राविड-
श्रुतिरचनेन तारितलोकेन

अतिविचित्रमाल्यसमर्पण
हर्षित कोसलनगरीनायकेन ॥ ३ ॥

✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠

11 pāhi gōpavēṣa harē

पहि गोपवेष हरे

रागं कल्याणि

पल्लवि

पाहि गोपवेष हरे माम्
पाहि गोप वेष
विदळितभक्तसर्वदोष
कौस्तुभमुख्यमञ्जु भूष हरे माम्

चरणानि

भव्यगुणकपाल शार्ङ्ग-
चाप बौधरूप चतुर्मुख-
सेव्य योगिवरभव्य पद्ममुख

दिव्यलक्षणाञ्चितपदयुगल ॥ १ ॥

चन्द्रकुलावतंस
दमित कंस परमहंस
चिदावनमदेन्द्र मुख्य
विहगेन्द्रवाहन
उपेन्द्र काळीयोरगमदहरण ॥ २ ॥

नन्दकप्रहरण भूरि-
करुणालवाल शरणागतपावन
नन्दनन्दन सनन्दनादिमुनि
वन्दनीय सकलजनशरण्य ॥ ३ ॥

कञ्जदळनिभाक्ष
सुजनरक्ष दनुजशिक्षप्रवीण
धनञ्जयार्त्तिहर मञ्जुभाषण
निरञ्जनागणितनिरुपमलील ॥ ४ ॥

दन्तिराजवरद

रात्रीशरद वाग्विशारद

व्रजश्रीकान्तयोगिवरचिन्तनीय

वेदान्तवेद्य कोसलपुरनिलय ॥ ५ ॥

✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠

12 pāhi māṁ śrīraghunāyaka

पाहि मां श्रीरघुनायक

रागं : बेगड चापु ताळं

पल्लवि

पाहि मां श्रीरघुनायक भद्रदायक
भासुरकोदण्डनायक
वाहिनीशमदविदारक निरयतारक
पालितसूर्यकुमारक कालसंहारक

चरणानि

मुनिजनक्लेशभञ्जन लोकरञ्जन
दनुजमेघप्रभञ्जन
दिनकरकुलभूषण दीनपोषण

विनिहतखरदूषण मञ्जुभाषण ॥ १ ॥

द्युतिजितयूथविरोचन जलजलोचन
श्रितजनाघविमोचन
कृतकाकासुरदण्डन रुचिरमण्डन
खेचरसन्नुतभण्डन वैरिखण्डन ॥ २ ॥

धरणितनयारमण बालिदमन
दानवेतण्डगमन
गुरुलावण्यजितमदन कुन्दरदन
कोसलनगरसदन चन्द्रवदन ॥ ३ ॥

✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠

13 pāhi māṁ śrīrāmacandra

पाहि मां श्रीरामचन्द्र

रागं : पुन्नागवराळि

पल्लवि

पाहि मां श्रीरामचन्द्रनळिनासनं
भवविनुतदिव्यगुणसान्द्रम्
देहि तवपदकमलभक्तिमान पाहि
दीनवात्सल्यदयासिन्धो बन्धो

चरणानि

तरणिकुलसलिलनिधिसोम ताटका
तनयादिराक्षसविराम सन्मुदित
पुरुहूतमुखसुरस्तोम पदरेणु

पूतगौतममौनिभाम जनकजा
धरणीशकन्याभिरामाअर्मुख
हरणपरीभूत भृगुराम दरदळित
नीलोत्पलश्याम रिपुभीम
शरदेवतासार्वभौम ॥ १ ॥

जनकोक्तिविधृअभूभरण जानकी
सौमित्रिरञ्जितानुसरण ब्रह्मऋषि
घनचित्रकूटगिरिशरण भर-
तनिर्गमहेतुपादवितरण विभुधर-
ञ्जनकरविराधसंहरण दण्डका-
वननिलय निखिलमुनिशरण
घनतपोधनसुतीक्ष्णाभरणरणकरुण
घटजदत्तधनुप्रहरणाभरण ॥ २ ॥

खरवंशहर संप्रहर शरनिहित

कनकमृगदारुणाकार संसार
परिमोचितविहङ्गवीर प्रशसित घन
बन्धुदनुजभुजापहर अद्भुताशा
वरवधूविविधोपहार आकलित
पम्पवनान्तरविहार तरणि
कुलसौख्यकारिस्समीरणकुमार
दळितवालिमहाशरीरशूरा ॥ ३ ॥

अनुपमप्लवगपरिहार हृदयसौख्यद
हनुमद्वचनसार अतिजवन
वनचरामृतवनदितीर पृथुत रा-
वणसहोदरभयविदार सेतुब-
न्धनजनितरक्षोविचार लोकहित
दशवदनजीवापहार विनुत
कमलजामुख्यबृन्दारकसादर विहित

कोसलराज्यभाराधीरा ॥ ४ ॥

✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠

14 pāhi śrīraghuvara

पाहि श्रीरघुवर

रागं : तोडि

पल्लवि

पाहि श्रीरघुवर नित्यं देहि
मामनन्यशरणं वन्देहि
महि तावकदयां देहि
तवपदयुगभक्तिं देहि
सुशरासनधर वैदेहि-
वदनकमलमधुकर पाहि

चरणानि

करुणाकृत शरणागत

भरणातिवितरण

अनुपरादिमुनिविरोध खरदूषण
विराधगुरुधराधरालिकुलिश ॥ १ ॥

शमितानमदमिता सुख-

दमितामरविनुत

विगतमानविमलमानस
विबुधगम्यमानघनसमानशुभविग्रह ॥ २ ॥

धनदानुजघनदाव

दहनदारुणवनदा

त्रिभुवनादिपतिगणादिहरवर
गुणसनाददिवसनादकुलपावन ॥ ३ ॥

दुरितापहचरिताधृत

भरतात्रिशुभरत

सुमधुरालहिमवराळफण को-

सलपुरालयदुचिलकामृतमुखा ॥ ४ ॥

✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠

15 pāhi śrīramāramaṇa

पाहि श्रीरमारमण

रागं : अठाणा ताळं त्रिपुट

पल्लवि

पाहि श्रीरमारण सन्ततं मां
पाहि श्रीरमारमण पावनसङ्क्रमण

चरणानि

मोहनरङ्गनायक भक्तजन-
व्यूहवाञ्छितदायक सकलजगन्-
मोहनायतबाहु घननिभ-
देह खगपतिवाह विदळित-
मोहदेहसमूहनुतिपात्र

कमलदळनेत्र ॥ १ ॥

दानवमर्दन धर्मविवर्धन
मानितगुणाभरण मौनिजन-
मानसाश्रितचरण
करुणाभरण
दीनजनसन्ताननिकरनिदान-
विनुतेशान नारद-
गानलोल महानुभाव हरे
मधुकैटभारे ॥ २ ॥

तोषितामरलोक दूषिताखिलशोक
पूषवंशजपूजितसेवक वि-
भीषणवरदायक
प्रणवसौध
शेषसयन विशेषमृदुतरभाष

वरमणिभूष-
कृतनुतवेष शुभकरदोष नि-
र्दोषपोषिताशेष ॥ ३ ॥

वारणपरिपाल वनजसम्भवलोल
सूरितनयरक्षक
रावणादिक्रूरराक्षसशिक्षक
कोसलपुरीन्द्र
मारशतकुमार वररघुवीर
गुणमणिहार
सुजनविहार जलधिगंभीर
मृदुचरण मुनिशापहरण ॥ ४ ॥

✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠

16 bhaje'haṁ vīrarāghavam

भजेऽहं वीरराघवम्

रागं : गौळिपन्तु taaLa.m: aadi

पल्लवि

भजेऽहं वीरराघवं भजेऽहम्

सारधनुर्गुणातिविस्तारित-
भार्गवभूरिलाघवम्

चरणानि

पालितदिनकरगोत्र सदा परि-

पालितशालिहोत्रम्

वरलावण्यास्पदगात्रं

कल्याणमयदिव्यनेत्रम्

सुग्रीवजाम्बवदादि वरपरिसेवितं
समदावरणजैत्रम् ॥ १ ॥

वीक्षारण्यशयानं सदा-
वृळीदहरिनामानम्
संरक्षितमुनिसन्तानं
सारसतरकरुणामृतनिदानम्
शुभलक्षणलक्षितमक्षयघन-
शरशिक्षितामरविपक्षवितानम् ॥ २ ॥

गोपायितदेवेशं श्री
कोसलनगरनिवेशितम्
इन्द्रोपमसङ्काशं
कृतदुर्मदकबन्धनाशम्
हृतापनाशसमीपगतं
जितकोपमतितभूषाभमहीपम् ॥ ३ ॥

17 māmava raghivīra

मामव रघुवीर

रागं : असावेरि ताळं त्रिपुट

पल्लवि

मामव रघुवीर मानितमुनिवर

भूमिसुतानायक भक्तजन-
कामितफलदायक

चरणानि

गर्वितसुत्रामतनयविराम

नृपतिललाम दशरथराम समरोद्धाम
दशमुखसामजमृगेन्द्र कोसलपुरीन्द्र ॥ १ ॥

दिनकरकुलदीप धृतदिव्यशरचाप

वनजसन्निभगात्र योगिवर्य
सनकादिनुतिपात्र नभोमणि ॥ २ ॥

तनुज शरणपवनज मुखपरि-
जनजगदहितदनुजमदहर
मनुजतनुधरवनजदळनयन अमितमुनिशमन ॥ ३ ॥

भण्डनोद्धतदोष पालितगौतमयोष
दण्डितमारीच अब्धिगर्व
खण्डकनाराच दिव्यरत्न ॥ ४ ॥

कुण्डलकलितगण्डयुगवे
तण्डकरभुज दण्डहिमकर
खण्डधरकोदण्डदळनयन अगणितगुणगण ॥ ५ ॥

घटितनानाभूष कलिताश्रितपोष
तटिधूपामितवासन श्रीकोसल

पुटाभेदननिवासन - (इन्द्रनीलाभ) ॥ ६ ॥

कुटिलकचवृत निटलतटमणि
पटुलखचितलनिटलसटमृदु
चटुलपीतनतजटिलमूलघन दरहसितवदन ॥ ७ ॥

✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠

18 raṅganāyaka bhujaġaśayana

रङ्गनायक भुजङ्गशयन

रागं : केदारगौळ ताळं: आदि

पल्लवि

रङ्गनायक भुजङ्गशयन सा-
रङ्गवरद संरक्ष माम्
नीरदोज्वलशरीर नीळा-
धर रमेश संरक्ष माम्

चरणानि

पुण्यचरित करुण्यसागर हि-
रण्यचेल संरक्ष मां
पङ्कजास्तहरिणाङ्कनयन मक-

राङ्कजनक संरक्ष माम् ॥ १ ॥

भोजेन्द्रमणिवैजयन्ति वि-
राजमान संरक्ष मां
बाधितामरविरोधिबुधा-
राधनीय संरक्ष माम् ॥ २ ॥

सूरिवृन्दसरसीरुहासन
पुरारिवन्द्य संरक्ष मां
प्राणिपालनधुरीण केशव
पुराणपुरुष संरक्ष माम्
दीननिकरसन्तानभूरुहम-
हानुभाव संरक्ष माम् ॥ ३ ॥

आञ्जनेयकरकञ्जसंक्रम नि-
रञ्जिताद्रि संरक्ष मं
श्रीधरप्रणवसौध कोसलपु-

राधिनाथ संरक्ष माम्

✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠

19 raṅgapate pāhi mām

रङ्गपते पाहि माम्

रागं : दर्बार् रूपक ताळम्

पल्लवि

रङ्गपते पाहि माम्
मङ्गळकरसङ्गरविज-
याङ्कजनिभमोहनाङ्ग
गङ्गाजनकगरुडतुरङ्ग भव
भङ्गकरुणापाङ्ग धृतरथाङ्ग

चरणानि

बृन्दावनलोल आ-
नन्दकर सुशील

वन्दितमुनिजनपाल
नन्दकधर सुगुणाजाल
मन्दरधर कुन्दरदन
सुन्दरवदनारविन्द
वन्दितमुनिचरणारविन्द कुरु-
विन्दधर गोविन्द सदानन्द ॥ १ ॥

कुन्तीसुतामोद अ-
क्रूरविनुतपाद
चिन्तितकार्यप्रसद
सततमुरळीविनोद
अन्तरहितदन्तिवरद
सन्तोषयशोविशाल
अन्तकभयहरण सुवृत्तान्त अति-
शान्तकरुणास्वान्त रमाकान्त ॥ २ ॥

पङ्केरुहनेत्र आ-

पन्नसुजनमित्र

पङ्कजभवनुतिपात्र

पङ्कजसदनाकळत्र

शङ्करसख किङ्करजन

सङ्कटहरदनुजचय भ-

यङ्कर गोपीजनशशाङ्क
निश्शङ्क निष्कळङ्क श्रीवत्साङ्क ॥ ३ ॥

✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠

20 rāma pālaya mām

राम पलय माम्

रागं : भैरवि

पल्लवि

राम पालय मां हरे सीता-
राम पालय मां
राम रविकुलसोम जगदभिराम
नीरदश्याम दशरथ राम
पालय माम्

चरणानि

सारदयादानविचक्षण सकल-
साधुजनावन निरीक्षण

सुरवर शुभकर लक्षण दश
वदनबाहुगर्वशिक्षण हरे
दीनजनमन्दार दुरितविदार
वरकारुण्यालय श्रीरघु ॥ १ ॥

भण्डनिर्जितखरदूषण परि-
पालित विनुतविभीषण आ-
खण्डलार्पितदिव्यभूषण दण्ड-
कावनमुनिभजन पोषण हरे-
दण्डधरंअखण्डनुतकोदण्ड-
धरदोर्दण्डविक्रम ॥ २ ॥

अनुपमनिजसत्यभूषण माया-
तनुजारिमारीचभीषण घोर-
वननिधिघनमदशोषण श्री मो-
हनरङ्गहरिभजनतोषण हरे

इनतनुपुरवरनित्यवैभव
जनितकोसलविनुतशरबल ॥ ३ ॥

✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠

21 rē mānasa cintaya

रे मानस चिन्तय

रागं : कल्याणि

पल्लवि

रे मानस चिन्तय मौन्लीन्द्रं
रामानुजमतिकरुणासान्द्रम्
धृतकाषायवसनत्रिदण्डं श्री-
पतिमतिसंस्थापनशौन्डम्

चरणानि

अधिगतयामुनामुनिसंप्रदायं
अमितदुरितहरनामधेयम्
गोष्टीपूर्णगुरुदयापात्रं

गुरुतरकलयावनिजगोत्रम् ॥ १ ॥

मानुषवेषापगतानन्तं
माधवपदयुगविहितशान्तम्
परवादिमहागजमृगराजं
सरसहृदयबुधजनराजम् ॥ २ ॥

द्वयमन्त्रवितरणैकधुरीणं
वाग्वादगतवेदशास्त्रपुराणम्
उपवीतशिखाविराजमानं
उल्लसितोर्ध्वत्रिपुण्ड्रविधानम् ॥ ३ ॥

विदितश्रीभाष्यादिविरचनं
वेदतुल्यमहिमोज्वलवचनम्
कोसलपुरवरभक्तावतंसं
कुटिलमतमहाव्रतहासहंसम् ॥ ४ ॥

✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠

22 vandē govindarājam

वन्दे गोविन्दराजम्

रागं : शङ्कराभरणम्

पल्लवि

वने गोविन्दराजं
सदा वनजसुरवरराजं
अविरतमिन्दिरासुमन्दिराय
घोरास्कन्धरार्धं नन्दनादिभाजम्

चरणानि

बाधितार्तजनशोकं
गुरुपापहारिपुण्यश्लोकम्
सन्ततध्येयसकललोकं

पद्माधरेशं मानिप्रवेकं
शुभदाराधिकाळिबोधकारदुरितं
नादकारनाधिकावलोकम् ॥ १ ॥

शान्तनथगुणबाद्यं
विश्वामिताशोषवेद्यम्
वेदान्तछायाप्रतिपाद्यं
ज्ञानान्दाश्रयमाद्यम्
कनकसभान्तरनिरन्तरादर्शं
शान्तरागन्तरनिवेद्यम् ॥ २ ॥

भूरिशुभगुणजालं
जम्बुनाथमयदिव्यचेलम्
घनसरकीलकीटनिटिलं
कोसलनगरीवरपालनम्
मौनिमनोरुजापहारजापदं

वन्दारुजपपारिजातसालम् ॥ ३ ॥

✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠

23 vande vakuḷābharaṇam

वन्दे वकुळाभरणम्

रागं : मुखारि

पल्लवि

वन्दे वकुळाभरणं
शतवैरिणं जितकारणम्
भजनानन्दितादिनादं दमशमगुणमन्दिरम्
सुजनवन्दितचरणम्

चरणानि

पावनकीर्तिअमेतं सं-
पादितविशिष्टाद्वैतम्
सकलजनावबोधसञ्जीवनवर

भाषावेदविरचितानूर्वीभूतम् ॥ १ ॥

स्वर्णाम्बरभक्तवार्यं
श्रीवैष्णवपरमाचार्यम्
तरुसत्कीर्णवरताम्रपर्णीतीरम्
धीन्नगतं बुधवर्णिताचार्यम् ॥ २ ॥

वीतरागमुदमानं
पृथ्वीगतविष्वक्सेनम्
अतिविख्यातकुरुतिन्त्रिणीतरुमूलनि-
केतनम् शुभगुणजालनिधानम् ॥ ३ ॥

त्रासितकुमुदसमाजं
चिन्मुद्राञ्चितहस्ताम्बोजं अर्चित-
कोसलनगरनिवासमितजन-
दासजनं पद्मासनभाजम् ॥ ४ ॥

24 vandēhaṁ kariśailanivāsam

वन्देऽहं करिशैलनिवासम्

रागं : जुजावन्ति

पल्लवि

वन्देऽहं करिशैलनिवासं
वरदराजं अतसीसुमभासम्
पूर्णेन्दुबिंबसौन्दर्यविडम्बं नि-
पुणवचनं अरविन्दविकासम्

चरणानि

श्रीवेगवतीतुङ्गतुरङ्गं
श्रीकरबृन्दनीलजनिभाह्ळादम्
पावनकोटिसौधान्तं

पद्मकृतलीलासंवादम् ॥ १ ॥

सकलचेतनाचेतनपालनं सं-
श्रितानन्दसरसीतीरम्
आकुटिलभक्तपूर्णकाञ्चीपुरं
आकर्णनीय सव्याकरम् ॥ २ ॥

निरतिशयनिजाविर्भावं
नीरजसंभवं अजनीमोदम्
गरुडारोहमहोत्सवमतुलित-
गण्यमहिमकोसलपुरनाथम् ॥ ३ ॥

✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠

25 śrīnāyaka māmava

श्रीनायक मामव

रागं : पुन्नागवराळि

पल्लवि

श्रीनायक मामव नाथशरण्या
दीनावनलीला मन्मथमुरळीनादप्रिय
ज्ञानानन्दनिधान जितसर्वदानव

चरणानि

तोयजदळसन्निभायतनयन
गाङ्गेयनिश्चलभक्तिदायक
गाङ्गेयवासन करुणायतन विधात-
मायतालङ्कासहायक ॥ १ ॥

धूताखिलदोषजातह्रद्दानव
नीताघासुरघातक
पुरुहूतात्मजराधासुतागमननिर्णेता
श्रितपरिजात (क) ॥ २ ॥

रासक्रीडनकृतोल्लाससमुक्तिकोल्लास
नासश्रीधरगरुडासन पाक-
शासन मणिनीलकोसलनगरनि-
वास वैरिचण्डशासन ॥ ३ ॥

✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠

26 śrīraghukulavaraśubhakara

श्रीरघुकुलवरशुभकर

रागं : सावेरि ताळं: आदि

पल्लवि

श्रीरघुकुलवरशुभकर
सीताराम मां पाहि

चरणानि

सारसदळनेत्र जगन्नुतजलधरनिभगात्र
भवसंसारकलुषभञ्जन सु-
चरित्र जनकजास्यपङ्केरुहमित्र ॥ १ ॥

नवरसालपल्लवमृदुपदयुगळ
नखरुचिजिततारक

भुवनमोहनविश्रुतशङ्खगळ ॥ २ ॥

शिवसन्नुतनाम सद्गुणशीलपूर्णकाम
नतकैरवसमूहरञ्जन
हिमधाम रणमहोग्रराअक्षसकुलभीम ॥ ३ ॥

विमलकुन्दकुड्मलसुन्दररदन
रथगजादिभृतन
सङ्करङ्गणजितदशवदन ॥ ४ ॥

कुमुदारिप्रताप मोहनगोपबालरूप
मदगजगमनसान्द्र
सत्करुणालाप कलितश्रीरामचन्द्रभूप
जितकपोल ॥ ५ ॥

श्रितजनमन्दार योगिजनचित्तसञ्चार
नतसुमहितविशेष

भूपालङ्कार इनसुतादिकपिसैन्यविहार ॥ ६ ॥

अतिविशालकोसलनगरनिवस
मणिकुण्डलनीरा-
जितकपोलतलचम्पकसुमनास ॥ ७ ॥

✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠

27 śrīraghuvara suguṇālaya

श्रीरघुवर सुगुणालय

रागं : घण्टा

पल्लवि

श्रीरघुवर सुगुणालय
पुरहरचिन्तननामदेय
नीरदनीलशरीर पाहि
धरणीसुतासहाय

चरणानि

करुणावरुणालय परिवारित
हरवीरनिकाय
शरणागतभयहरण सुख

परिवाराञ्जनेय ॥ १ ॥

नीरधिमदहरण विशारदशर
सूरिजनविधेय
घोराकारसुरारि विदारण
कारणसमुदय ॥ २ ॥

गुरुभवदवदहन घनाघनसार
सूरिजनभावमेय
निरवद्यतपोनिरतिजितेन्द्रिय
वरयोगिध्येय ॥ ३ ॥

भीषणदूषणहर मृदुभाषण
तोषितगाधेय
पोषितविभीषण वनपोषण
शेषनामधेय ॥ ४ ॥

गन्धमतङ्ग(ज)गमनमहा
भागवतभागधेय
सिन्धुरहस्तयुतबाहु
प्रचेतसमुनिगेय ॥ ५ ॥

अतिशुभलक्षण जगद्विलक्षण
अतिपरमोपाय
स्मितकमलेक्षण बुधरक्षण
खरशिक्षणधौरेय ॥ ६ ॥

भासुरबाणशरासनहस्तवि-
लासमनुजकाय
कोसलपुरवासमन्दहाससु-
नासकौसलेय ॥ ७ ॥

✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠

28 śrīraṅgaśāyinam

श्रीरङ्गशयिनम्

रागं :धन्याशि ताळं : जम्प

पल्लवि

श्रीरङ्गशायिनं सकलशुभदायिनं
चिन्तयेऽहं सदा हृदये
कारुण्यसौशील्यशौर्यवात्सल्यादि
कल्याणगुणजलनिधिं देवदेवम्

चरणानि

क्षीरसागरसमुत्थितविमानान्तरं
श्रीभूसतीभासितम्
सूरिबृन्दसुनन्दनन्दजयविजयादि

भूरिपरिजनसेवितम्
चारणोरगसिद्धसाध्यगन्धर्वगण
सनकादिमुनिसन्नुतम्
सारसोद्भवमुखामरपालनप्राप्त-
सत्यलोकादिवसितं देवदेवम् ॥ १ ॥

परमभक्तेक्ष्वाकुमहितपुण्यविशेष
धरणीतलसमागतम्
सरयुनदीतीरविरचितहिरण्मया-
वरणसुविमानस्थितम्
गुरुतपोनिधिवसिष्टादिसंयमि-
सुमन्दिरपरिवेष्टितम्
तरणिकुलधन्यमूर्धन्यादिसन्तत-
कृतोत्सवशोभितं - देवदेवम् ॥ २ ॥

निरुपमकवेरजासुकृतातिशयधनुजवर

विभीषणवशगतम्

चिरकालकृतवासमुनिसान्द्रचन्द्र-

पुष्करणीतटसुस्थितम्

वरधर्मवर्मनिर्मितभर्ममय-

सप्तवप्रान्तरविराजितम्

सुरसेव्यमानकोसलपुरीश्वरमखिल-
नरलोकपरिपूजितं - देवदेवम् ॥ ३ ॥

✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠

29 śrīraṅgaśāyi

श्रीरङ्गशायि

रागं :केदारगौळ

पल्लवि

श्रीरङ्गशायि जयमङ्गळं
जयमङ्गलं नित्य शुभमङ्गळम्

चरणानि

मन्दस्मितमुखारविन्दाय प्रणव-
मन्दिराय जयमङ्गळं धृत-
कन्दर्पशतकोटिसुन्दराय
सुगुणाकराय शुभमङ्गळम् ॥ १ ॥

सामादिनिगमान्तसन्नुताय

सुगुणाकाराय शुभमङ्गळं
कामजनकाय कलुषभञ्जनाय
कामदाय शुभमङ्गळम् ॥ २ ॥

फालाक्षकलितप्रभावयौवन-
मालिकाय जयमङ्गळं
अक्षौहिणीभञ्जनाय कोसलनगराय
मावरय शुभमङ्गळम् ॥ ३ ॥

✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠

30 sārasadaḷanayana

सारसदलनयन

रागं :सुरट्टि

पल्लवि

सारसदळनयन मामव

क्षीरजलधिशयन

मारजनक वन्दारुनिकर
ब्रह्मवृन्दारकेन्द्रनुत

चरणानि

अण्डजपतिकेतो शमदम

मण्डनजीवन

चण्डकिरणकुलमण्डलमुनीश्वर

मण्डलमण्डित कुण्डलीन्द्रशयन ॥ १ ॥

दशरर्थवरबाल राघव

दशमुखकुलकाल

कुशिकतनयरिपु

निशिचरकुलहर

शशिरविनयन श्री

पशुपतिहितकर ॥ २ ॥

करधृतकोदण्डकोसल-

पुरवैकुण्ठ

घोरभवजलधितारक निजपद-

सारसचिन्मय श्रीरघुवरशुभ ॥ ३ ॥

✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠ ✠

31 sītē vasumatisañjātē

सीते वसुमतिसञ्जाते

रागं : असावेरि

पल्लवि

सीते वसुमतिसञ्जाते
रमणीयगुणजाते
रक्षितसर्वभूते
परिपाहि माम्

चरणानि

श्यामे लावण्यविभवसमे
वदननिर्जितसोमे
आसदानुगतरघुरामे

परिपाहि माम् ॥ १ ॥

धीरे सन्मुनिहृदयागारे
करधृतकल्हारे
आघनोपमितकचभारे
परिपहि माम् ॥ २ ॥

धन्ये वैदेहिराजकन्ये
परिहृतभक्तदैन्ये
आसन्नुतदैवमान्ये
परिपाहि माम् ॥ ३ ॥

शान्ते कारुण्यपूर्णशान्ते
श्रीनिदानलोचनान्ते
कोसलपुरीरमणकान्ते
परिपाहि माम् ॥ ४ ॥